

---

# Shri Samartha Panchakam

---

## श्रीसमर्थपञ्चकम्

---

### Document Information



---

Text title : Shri Samartha Panchakam

File name : samarthapanchakam.itx

Category : deities\_misc, gurudev, panchaka, shrIdharasvAmI

Location : doc\_deities\_misc

Author : Shridharasvami

Transliterated by : Sonali Upendra Dasare

Description/comments : Stotra praising Swami Ramadas

Latest update : November 3, 2022

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 3, 2022

*sanskritdocuments.org*

---



श्रीसमर्थपञ्चकम्



श्रीसमर्थ रामदासगुरवे नमः ।  
यो मातृगर्भतो जातः शुक्तितो मौक्तिकं यथा ।  
देशधर्माभृतः यो हि श्रीसमर्थं प्रणौमि तम् ॥ १ ॥  
स्फूर्तिशक्तिवसन्तो यः पुण्यज्ञानसरोवरः ।  
रामभक्तिर्य आरामः श्रीसमर्थं प्रणौमि तम् ॥ २ ॥  
अज्ञानतिमिरार्को यः सुधांशुः शान्तिदस्तथा ।  
सत्तत्त्वरत्नगर्भो यः श्रीसमर्थं प्रणौमि तम् ॥ ३ ॥  
यस्तप्तहृत्सुधावृष्टियोन्दीनजनकामधुक् ।  
मुमुक्षुमुक्तिदं तीर्थं श्रीसमर्थं प्रणौमि तम् ॥ ४ ॥  
पार्थसारथिवद्यस्तु शिवराजसुरद्रुमः ।  
आनन्दवनभूकृद्यः श्रीसमर्थं प्रणौमि तम् ॥ ५ ॥  
श्लोकपञ्चकमेतद्यः सश्रद्धाभक्तितः पठेत् ।  
आयुरारोग्यमैश्वर्यं भक्तिं मुक्तिं स विन्दति ॥ ६ ॥  
इति श्रीमत् परमहंस परिव्राजकाचार्य भगवता श्रीधरस्वामिना  
विरचितं श्रीसमर्थपञ्चकस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofred by Sonali Upendra Dasare

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

